मूलांक.....: 3
भाग्यांक.....: 2
नामांक.....: 8
मूलांक स्वामी...: गुरु
भाग्यांक स्वामी.: चन्द्र
नामांक स्वामी...: शनि
मित्रांक.....: 6, 3, 7
सम अंक.....: 9
शत्रु अंक.....: 4
अति शत्रु अंक...: 8
जन्म समय.....: श्रनचपजमत
शुभ वार.....: सोमवार, बुधवार

शुभ दिन.....: 1, 10, 19, 28
अति शुभ दिन...: 2, 11, 20, 29
महत्वपूर्ण वर्ष...: 2013, 2022, 2031, 2040, 2049, 2058, 2067, 2076, 2085
उर्जा.....: धनात्मक
तत्व.....: जल तत्त्व
गुण.....: सतोगुण
अंग.....: पैर, जाघें, घुटने, श्वांस क्रिया, गुर्दे, मसाना।
शुभ रंग.....: पीला, चमकीला, गुलाबी, हल्का जामुनी
कार्यक्षेत्र.....: मूल अंक 3 वाला व्यक्ति अभिनेता, चित्रकार, व्यायामशास्त्री, लेखक, दलाल, पूंजीपति, परीक्षक राज्यकर्मचारी, होटल मैनेजर, हास्यलेखक,

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

संवाददाता, डॉक्टर, रेल कर्मचारी, विज्ञानमंत्री, गायक सचिव (मबतमजंतल) कार्य करें तो विशेष धन उपार्जन कर सकता है।

स्वास्थ्य.....: जब भी बृहस्पति ग्रह क्षीण होगा अर्थात् तेज कम होगा, तभी आपके शरीर पर चर्म रोग हो सकते हैं। स्नायविक शिथिल्य तथा चित्त में व्याकुलता बनी रहेगी। आपकी गुप्तेन्द्रिय शिथिल होंगी परन्तु फिर भी कामवासना का जोर रहेगा, आपको हृदय रोग, वायु रोग, रक्त सम्बन्धी विकार बुढ़ापे में होने की सम्भावना रहेगी। इसके अलावा प्रमेह, पित्त ज्वर, पित्त प्रकोप, उदर रोग, चर्बी में वृद्धि व पेट सम्बन्धी विकार भी बने रहेंगे।

आपको कामला, खुजली, त्वचा रोग, सन्निपात, कुकर खाँसी, खाँसी व जुकाम जल्दी ही हो जाया करेंगे। अतः आप अपने रोगों के प्रति लापरवाही न बरतें। उनका ठीक से उपचार करें। अन्यथा आपका रोग विकट रूप धारण कर सकता है।

आर्थिक.....:

मंत्र.....:

व्रत.....: पूर्णिमा

8	3	10
9	7	5
4	11	6

मूलांक फलः **शुभ यंत्र**

यह लोग जिस कार्य को शुरू करते हैं, उसमें सफलता प्राप्त करते

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

हैं यह बहुत सी बातों की जानकारी कर लेते हैं तीनों कालों में परिश्रम करने के बाद अन्त में सफलता प्राप्त करना इनकी सबसे बड़ी इच्छा रहती है।

पहली बात जो इनमें पायी जाती है वह है स्वतंत्रता प्रिय होना। कार्य करने की शक्ति और उसमें सफलता प्राप्त करना ही लक्ष्य मानकर यह अपने पर भरोसा रखते हैं और तभी स्वतंत्रता को भी पा सकते हैं। जब स्वतंत्रता का ध्यान इन मनुष्यों में होता है तो वे निष्ठुर भी हो जाते हैं और यदि वह अपनी शक्तियों का विकास करें तथा पूर्ण रूप से उपयोग करें तो इनमें साहस बढ़ेगा और सफलता का मार्ग साफ हो जायेगा इस अंक में दो मुख्य बातें हैः-या तो वह आदमी को चालाकी से बिना किसी का दिल दुखाकर कार्य निकालने वाला बना देता है या फिर वह इस योग्य बन जाता है कि किसी भी वातावरण में जायें शीघ्र ही घुलमिल जायेंगे और अपने को वैसा ही बना लेते हैं काम में फुर्ति से साथ ही काम का ढंग भा जाता है यानि कैसे अपना काम निकालना चाहिये परन्तु जब तक वास्तविक आवश्यकता नहीं होती चालाकी से काम नही लेते, पर समय पर कैसे अपनी बात या चाल को अपने फायदे के लिये अपने आपको बदलना है या भली-भांति आपको आ जायेगा इसके अलावा अपने कार्यक्रम के आप नये क्षेत्र को बना सकते हैंः-यह इसलिये है कि आप को बहुत से कार्यों की जानकारी है आपको हर कार्य में ही नहीं बल्कि दो-दो कामों में एक साथ सफलता प्राप्त हो सकती है इस अंक वाले में काफी योग्यता और ज्ञान होता हैं साथ ही ऐसा काम ढूंढ निकालने की जो इन्हें पसन्द हो प्रा□तिक झुकाव होता है। ये अपनी उन्नति शीघ्रता से कर सकते हैं और बड़ी-से-बड़ी सफलता भी प्राप्त कर सकते हैं परन्तु अक्सर ऐसा देखा गया है कि यह बहुत ही अपूर्व सफलता केवल थोड़े समय के लिये ही कर लेते हैं जो स्थाई नहीं

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

होती है वह अपने पुराने अनुभवों का वर्तमान काल में प्रयोग करते हैं जिससे भविष्य के लिये अच्छा नया क्षेत्र तैयार हो जाता है धीरे-धीरे वह जल्दी ही सफलता के लिये इच्छुक रहते हैं धीरे-धीरे उन्नति करके बढ़ना इनको पसन्द नही यह अवसर आने के लिये नहीं बैठे रहते हैं बल्कि अपना अवसर स्वयं खोज निकालते हैं ऐसे व्यक्ति कभी-कभी अगम्य होते हैं बल्कि अपना अवसर स्वयं खोज निकालते हैं। प्रत्येक वस्तु में रुचि रखते हैं और कभी-कभी ऐसे विषयों पर बुद्धिमत्ता पूर्ण बोलते हैं जिसका इनके मित्रों को विश्वास ही नहीं हो सकता और वे चकित हो जाते हैं। जब कभी बोलेंगे तो धीर-गंभीर वाणी में जिसे सुनकर ऐसा लगता है कि मानों प्रवचन कर रहे होंगे अपने कथन को दोहराना पसन्द नहीं करते अतः इतने सुस्पष्ट शब्दों में बोलते हैं कि इनके शब्द प्रथम बार में ही इनकी बात का अवश्य समझा जा सकता है।

इस अंक वाले को परेशानियां नहीं आनी चाहियें इसके लिये जोश और प्रसन्नता बनी रहनी चाहिये यह असफलता की चिन्ता भी नही करते और हमेशा यह बात पैदा करने की कोशिश करते हैं जिसमें सफलता हो जाये संसार के सुखी मनुष्यों का वह यह अंक होता है इस अंक वाले की सभी तारीफ करते हैं और इनके मित्र भी बहुत होते हैं। यह लोग इस बात में खुश होते हैं कि इनके परिचितों का समूह बहुत बड़ा और कभी कभी यह बढ़ कर दोष का रूप धारण कर लेता है। इसमें इनका समय भी बहुत खराब होता है दूसरों के प्रति एक लापरवाही दिखना भी इनका दोष है यह लोग दूसरों की आलोचना की जरा भी परवाह नहीं करते कभी-कभी हंसी खुशी में इतने मस्त हो जाते हैं कि इतनी गंभीरता का बिल्कुल ध्यान नहीं रहता इससे गंभीर पुरुष इनसे निराश हो जात हैं बहुधा यह लोग फिजूल खर्च भी हो जाते हैं। जिस जोश में यह कार्य उठाते हैं उसी

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

जोश से यह उसे करते नहीं रहते, इससे बहुतों को निराशा होती है। साधारणतया ये बड़े दावों के लिये जुआ खेलना पसन्द नहीं करते और अपने भाग्य का निर्माण मंथर गति से और सावधानीपूर्ण करना पसन्द करते हैं यह अपनी गतिविधि में कुछ धीमे अवश्यक होते हैं किन्तु कार्य करते समय कभी भी आगा-पीछा नहीं करते और एक बार निश्चय करने के बाद दृढ़ संकल्प और द्रुत गति से आगे बढ़ते जाते हैं। इनकी मानसिक व शारीरिक शक्ति बहुत बड़ी होती है इससे कभी-कभी किसी काम में बिना समझे-बूझे ही कूद पड़ते हैं। यह उदार चित्त और सच्चे प्रेमी भी होते हैं परन्तु बात साफ कह बैठते हैं जिससे लोग इनसे अप्रसन्न हो जाते हैं यह दुनिया में खूब सफलता प्राप्त करते हैं परन्तु यह अपनी सफलता में यह भूल जाते हैं कि कभी-कभी इन्हें सफलता भी मिल सकती है। इनको एकाग्र चित्त होकर एक काम में लगे रहना चाहिये।

तीन का अंक त्रिगुणात्मक प्रकृति का स्वरूप है। व्यक्ति के जीवन में त्रिगुणात्मक स्थिति बार बार आती है। शरीर के अन्दर तीन चीजें होती हैं-रक्त, मांस, चर्बी। शरीर की तीन अवस्थायें होती हैं-बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था। इस अंक को दैविक स्वरूप वाला अंक माना गया है। भारतीय दर्शन में तीन ही गुण हैं-सत्,तम और रज। तीन ही काल हैं-वर्तमान, भूत और भविष्य। तीन का अंक इन्हीं सभी क्रियाओं को लेकर साथ चलता है।
मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि तीन अंक वाले व्यक्ति में तीनों गुणों का समावेश होता है। तीन के अंक वाले व्यक्ति में यदि सात्त्विक गुण उत्पन्न हो गया तो वह बहुत धार्मिक व धर्म के विषय में बोलने वाला होता है और यदि राजसी गुण हुआ तो बहुत बड़ा सेठ, राजनीतिक या विद्वान् होता है। यदि तामसिक गुण उत्पन्न हुआ तो वह तान्त्रिक, बहुत बडा हत्यारा, बहुत बड़ा क्रोधी होता है। ऐसा

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

व्यक्ति यदि किसी से प्रेम करता है तो उसका प्रेम सच्चा होता है। तीन अंक वाला व्यक्ति बहुत निर्णायक, धार्मिक, सात्त्विक, दार्शनिक, रसायन व भौतिक शास्त्री व एक शोधकर्ता होता है। तीन का अंक अपने आप में बहुत विस्तृत अंक है। तीन अंक में वैसे बहुत कम राजसी व तामसी लोग होते हैं। इसलिए तीन को सदैव शान्ति का प्रतीक माना गया है। तीन अंक वाला सदैव शान्ति की खोज करता है इस अंक वाला व्यक्ति अपनी प्रवृत्तियों के अनुसार किसी के विरूद्ध होने से नहीं डरता, आप अपने विचारों से अपने आप को लगाये हुए होंगे। दूसरे कि विचार आपको पसन्द नहीं आयेंगे। यदि आपके ऊपर किसी भी व्यक्ति के द्वारा आरोप लगाया जाये तो आप अपने ऊपर किसी भी आरोप को स्वीकार नहीं करेंगे और आप अपने विरोधियों को मुहँतोड़ जवाब देंगे।
आप बहुत खर्चीले व दानी होंगे। कभी कभी तो आप अपने कपड़े भी उतार कर दे देते हैं। इसलिए आप ध्यान रखें अन्यथा आपको अपने बुढ़ापे में बहुत आर्थिक परेशानियों का सामना करना पडेंगा। आप बहुत ही हृदयालु व दयालु होंगे। यदि समाज सेवा में जायेंगे तो आपको बहुत प्रसिद्धि मिलेगी। आपकी कूटनीति बहुत प्रबल होगी जिसे कोई नहीं जान सकेगा। आप बहुत रहस्यात्मक होंगे। आपका कोई विशेष व्यक्ति ही आपके संग घात करेगा। आप अपने घरेलू लोगों से सावधान रहें। आपका रवैया आलोचनात्मक होगा। आप कहीं भी जायें, आप बहुत ही घुल मिल जाते हैं। आप अपने सामाजिक क्षेत्र में स्वतन्त्रता, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता को महत्व देंगे। यह अंक राजा अंक है। इस अंक वाले व्यक्ति खोजी व शोधकर्ता होते हैं। एवं वह विहंगम से विहंगम कार्यो की खोज करते हैं। यह बहुत जल्दी गर्म हो जाते है और जल्दी ठण्डे हो जाते हैं।

इस अंक का स्वामी गुरु या बृहस्पति है। जो व्यक्ति 3, 12, 21 या

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

30 तारीख को पैदा हुए हों उनका मूल अंक 3 होता है। पाश्चात्य मत के अनुसार 19 फरवरी से 21 मार्च तक और 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के बीच के समय में तथा भारतीय मत से 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तथा 14 मार्च से 12 अप्रैल के बीच जिनका जन्म हुआ हो उन पर बृहस्पति का प्रभाव रहता है। जो व्यक्ति इस काल में उपरोक्त तारीखों को पैदा होते हैं उन पर बृहस्पति का विशेष प्रभाव रहता है या पड़ता है।

3 अंक वाले व्यक्ति अनुशासन में कठोर होते हैं। फौज या किसी सरकारी विभाग में अध्यक्ष हों, तो अपने अधीन काम करने वाले कर्मचारियों से बहुत सख्ती से काम लेते हैं, काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करते और इतनी सख्ती से काम लेते हैं कि मातहत लोग बहुधा इनके शत्रु हो जाते हैं। यह लोग बहुत महत्वाकांक्षी और शासन करके हुकूमत करने की इच्छा रखने वाले होते हैं। 19 फरवरी से 21 मार्च तक तथा 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के सायन और मास का समय तथा 3, 12, 21 और 30 तारीख, बृहस्पतिवार, शुक्रवार तथा मंगलवार का दिन शुभ तथा महत्त्वपूर्ण है। कोई शुभ काम, नया काम, इन तारीखों व महीनों में गुरुवार के दिन आरम्भ करें तो सफलता की काफी आशा रहती है। इनके अच्छे वर्ष हैं 3, 12, 21, 30, 39, 48, 57 तथा 66वाँ।

3 मूल अंक की 6 तथा 9 अंक के साथ मित्रता तथा अनुकूलता है। इस कारण जिन व्यक्तियों की जन्म तारीख का मूल अंक 6 या 9 बनता हो, उनके साथ 3 अंक वाले की मित्रता ठीक रहती है। साझेदारी या विवाह भी सफल रहते हैं और 6 तथा 9 मूल अंकों के शुभ तथा महत्त्वपूर्ण वर्ष, मास, दिन तथा तारीखें भी आमतौर पर अच्छी रहती है। किसी व्यक्ति की यदि यह तारीखें खराब जाती हों तो उसे अपने शुभ व महत्त्वपूर्ण कार्य इन तारीखों, दिनों व मासों में नहीं करने चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को 6 व 9 मूल अंक के शुभ वर्ष,

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

मास या दिन खराब गये हैं तो आगे भी उनके खराब ही जाने की आशंका है और यदि यह वर्ष, मास, दिन व तारीखें शुभ गई हो तो भविष्य में भी इनके शुभ व अनुकूल ही रहने की संभावना है।
3 मूल अंक वाले व्यक्तियों को चमकीला गुलाबी रंग या हल्का जामुनी रंग विशेष शुभ तथा अनुकूल रहता है। स्त्रियाँ इन रंगों की पोशाक पहने और पुरुष वर्ग कमरे का फर्नीचर, परदे, दीवारों का रंग इन रंगों का कराये तो ठीक रहता है।

मूलांक 3
सावधानियाँ
1 आपको दूसरों के धन और विद्वत्ता से ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए क्योंकि न तो आप एक साथ विद्वान् बन सकते हैं और न ही धनवान। आप किसी भी कार्य में या कुछ भी बनने में जल्दी करेंगे।
2 आप अधिक व्यय न करें, नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ेगा। आपको थोड़ा बहुत धन संकट या बुढ़ापे के लिए बचाना चाहिए। संकट के समय आपकी कोई भी सहायता नहीं करेगा।
3 आप अपने रहन सहन का ढंग ठीक व साफ सुथरा रखें।
4 आप गन्दे व छोटे व्यक्तियों का साथ छोड़ दें। चापलूसी के द्वारा आप जल्दी ही फसँ जाते हैं।
5 आपको चर्म रोग हो सकता है, हृदय रोग, वायु रोग, पेट के रोग व मूत्रविकार से आप सावधान रहें। रोग शुरू होते ही इलाज शुरू करे दें।
6 आप भोजन के शौकीन होंगे। अतः आपको अधिक भोजन से बचना चाहिए, अधिक चर्बीवाला भोजन, मिर्च मसाले व भारी भोजन न करें। थोड़ा फलाहार जरूर करें और सुबह थोड़ा टहल भी आया करें।
स्वास्थ्य
जब भी बृहस्पति ग्रह क्षीण होगा अर्थात् तेज कम होगा, तभी आपके

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

शरीर पर चर्म रोग हो सकते हैं। स्नायविक शैथिल्य तथा चित्त में व्याकुलता बनी रहेगी। आपकी गुप्तेन्द्रिय शिथिल होंगी परन्तु फिर भी कामवासना का जोर रहेगा, आपको हृदय रोग, वायु रोग, रक्त सम्बन्धी विकार बुढ़ापे में होने की सम्भावना रहेगी। इसके अलावा प्रमेह, पित्त ज्वर, पित्त प्रकोप, उदर रोग, चर्बी में वृद्धि व पेट सम्बन्धी विकार भी बने रहेंगे।
आपको कामला, खुजली, त्वचा रोग, सन्निपात, कुकर खाँसी, खाँसी व जुकाम जल्दी ही हो जाया करेंगे। अतः आप अपने रोगों के प्रति लापरवाही न बरतें। उनका ठीक से उपचार करें। अन्यथा आपका रोग विकट रूप धारण कर सकता है।

भाग्यांक फलः

जिन व्यक्तियों का भाग्यांक 2 है उन व्यक्तियों को निम्नलिखित कार्यो से विशेष लाभ होगा। जैसे-किसी भी कार्य क्षेत्र में दलाली, चिकित्सा क्षेत्र, पशु पालन, सौन्दर्य प्रसाधन का क्रय विक्रय, ठेकेदारी, भूमि क्रय विक्रय, होटल करना, यात्रा करना, पत्रकारिता के द्वारा, गाने बजाने के द्वारा, नृत्य, कविता, भूमि से सम्बन्धित कार्य, चाँदी, कृषि तथा पशुपालन कार्य आदि तैलीय कार्य, पर्यटन, समुद्रयात्रा, शुगरमिल, व्यवसाय, तैराकी या किसी अन्य खेलों में अग्रसर, दूध दही, घी का कार्य, कागज, कृषिकर्म, औषधि क्रय विक्रय, एजेन्ट, प्रतिनिधि, भ्रमण कार्य, सम्पादक, लेखक, संगीत, अभिनय, दन्त चिकित्सा द्वारा आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं।
दो अंक वालों का स्वभाव उधार लेना है। दो अंक वाले व्यक्ति उधार बहुत अधिक लेते हैं और देने में सकुचाते हैं। वैसे तो इस अंक वाले व्यक्ति कंजूस होते हैं परन्तु उचित मौका आने पर बहुत अधिक खर्च भी कर देते हैं। वैसे आप जहाँ भी खर्च करेंगे, वहाँ से आप दुगुना प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। आप अपनी फिजूलखर्ची पर रोक

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516

लगाने की कोशिश करें तथा दूसरों को भी ऐसा करने का सुझाव दें। आपको साझेदारी से पूरा घाटा होने की सम्भावना है। आपके लिए साझेदारी ठीक नहीं। दो अंक वाली महिलाओं को अध्यापक, पत्रकार, वक्ता, एकाउण्टेन्ट, सौन्दर्य प्रसाधनों के क्रय विक्रय में अच्छा लाभ प्राप्त होगा। 20वें व 28वें वर्ष तक की अवस्था आपको धन कमाने के लिये सफलता प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त 25वें व 50वें वर्ष में आपको धन प्राप्त होगा। 29वें वर्ष में आपको बहुत अधिक हानि या बहुत अधिक लाभ होगा। इसके अलावा 39वां वर्ष भी आप के लिए बहुत शुभ है। आप अपने विनम्र एवं कोमल स्वभाव के कारण किसी भी उच्च पद पर पहुँच सकते हैं।

Dr. R. B. Dhawan
F 265, LAXMI NAGAR, DELHI 110092.
011 22455184, 22454077, 9810143516